Syllabus

Of

Bachelor of Art -I

(History)

Faculty of Art

Pandit Sudarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh,Bilaspur
Koni Birkona Road, Bilaspur (C.G.)

VERIFIED

REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

Dr. A... Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

बी.ए. प्रथम वर्ष
भारत का इतिहास (प्रारम्भ से १२०६ ई. तक)
(प्रथम प्रश्नपत्र)

खण्ड - I

1. भारतीय इतिहास के स्रोतों का सर्वेक्षण
2. भारत की भौगोलिक विशेषताएँ
3. प्रागैतिहासिक - पूर्व पाषाण से नवपाषाण युग तक सभ्यता एवं संस्कृति
4. हड़प्पा सभ्यता - निर्माता, प्रसार, नगर योजना, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक संरचना
5. प्राग्वैदिक काल - राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक
6. उत्तर वैदिक काल - राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक
7. महाकाव्य काल - सभ्यता एवं संस्कृति
8. छठी शताब्दी ईसा पूर्व का भारत तथा जैन एवं बौद्ध धर्म

खण्ड - II

9. मगध साम्राज्य का उदय
10. सिकन्दर का आक्रमण और उसका प्रभाव
11. मौर्य साम्राज्य की स्थापना - चन्द्रगुप्त मौर्य एवं अशोक- अशोक के धम्म
12. मौर्यकालीन प्रशासन, अर्थव्यवस्था, कला तथा संस्कृति

खण्ड - III

13. मौर्योत्तरकाल - शुंग, सातवाहन एवं कुषाण वंश
14. संगमयुग - साहित्य एवं संस्कृति
15. चौल एवं पाण्डय राजवंश
16. गुप्त साम्राज्य - प्रशासन, आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक दशा

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

S. R. Rao

खण्ड - IV

17. पल्लव, चालुक्य, वर्धन, वाकाटक, गुर्जर-प्रतिहार, पाल, सेन एवं राष्ट्रकूट राजवंश

18. भारत का दक्षिण पूर्व एशिया एवं श्रीलंका से सम्बन्ध

19. मोहम्मद बिन कासिम, गजनवी एवं गोरी के आक्रमण

20. नारी की स्थिति- विवाह, सती प्रथा, परदा प्रथा, देवदासी प्रथा, जाति व्यवस्था एवं दास प्रथा

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

S. R. Rao

विश्व का इतिहास (1453 ई. से 1789 ई. तक)
(द्वितीय प्रश्न-पत्र)

अनुक्रमणिका

खण्ड - I

1. सामन्तवाद का पतन व आधुनिक युग का प्रारम्भ
2. पुनर्जागरण
3. धर्म सुधार आन्दोलन तथा प्रति धर्म सुधार आन्दोलन
4. तीस वर्षीय युद्ध कारण, परिणाम तथा प्रभाव
5. यूरोपीय राष्ट्रीय राज्यों का उदय (ब्रिटेन, स्पेन, फ्रांस एवं रूस)
6. पोलैण्ड का विभाजन

खण्ड - II

7. आधुनिक पाश्चात्य जगत के आर्थिक स्रोत
8. उपनिवेशवाद का प्रारंभ

खण्ड - III

9. इंग्लैण्ड में गृह युद्ध, घटनायें, कारण एवं परिणाम
10. 1688 ई. की गौरवपूर्ण क्रान्ति

खण्ड - IV

11. लुई चौदहवा : गृह नीति एवं विदेश नीति
12. अमेरिका का स्वतन्त्रता संग्राम
13. फ्रांस की क्रान्ति
14. राष्ट्रीय सभा (नेशनल असेम्बली)

VERIFIED

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

S. Rao

Syllabus

Of

Bachelor of Art - II

(History)

Faculty of Art

Pandit Sudarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh,Bilaspur
Koni Birkona Road, Bilaspur (C.G.)

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

बी. ए. द्वितीय वर्ष
भारत का इतिहास
(सन् 1206 ई. से 1761 ई. तक)
(प्रथम प्रश्न पत्र)

खण्ड – I

सल्तनतकालीन एवं मुगलकालीन इतिहास के स्रोत, दास वंश (ऐबक, इल्तुतमिश, रजिया एवं बलबन) खिलजी वंश : अलाउद्दीन खिलजी, तुगलक वंश : मुहम्मद बिन तुगलक एवं फिरोजशाह तुगलक, भारत पर तैमूर का आक्रमण

खण्ड – II

मुगल साम्राज्य की स्थापना : बाबर, शेरशाह सूरी की प्रशासन व्यवस्था, अकबर की राजपूत नीति, मुगल शासकों की धार्मिक नीतिः अकबर से औरंगजेब तक, मुगलकालीन राजनीतिक संस्थाएँ एवं प्रशासन, सल्तनतकालीन सामाजिक एवं आर्थिक दशा, मुगलकालीन सामाजिक एवं आर्थिक दशा, धार्मिक एवं सांस्कृतिक दशा। भक्ति आन्दोलन तथा सूफीवाद

खण्ड – III

सल्तनतकालीन तथा मुगलकालीन कला एवं स्थापत्य, सल्तनतकालीन तथा मुगलकालीन शिक्षा एवं साहित्य

खण्ड – IV

विजयनगर राज्य : कृष्णदेवराय, बहमनी राज्य, शिवाजी एवं उनका प्रशासन, तृतीय पानीपत युद्ध कारण एवं परिणाम

VERIFIED

S. R. Rao

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

विश्व का इतिहास
(सन् 1789 ई. से 1871 ई. तक)
(द्वितीय प्रश्न पत्र)

खण्ड – 1

अध्याय 1 : फ्रांस की क्रान्ति – नेशनल कन्वेन्शन से आतंक के राज्य तक

उद्देश्य, प्राक्कथन, फ्रांस की राज्य क्रान्ति के कारण, क्रान्ति के प्रभाव व परिणाम, दार्शनिकों का योगदान, हेज का मत, सामाजिक समानता की स्थापना, राष्ट्रीय सभा के कार्य का मूल्यांकन, संविधान की त्रुटियाँ, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 2 : डायरेक्टरी शासन

उद्देश्य, प्राक्कथन, नेपोलियन मंच पर, इटली में नेपोलियन की सफलता, आस्ट्रिया से सन्धि, समुद्र पर युद्ध नवजात गणतन्त्र संकट में, नेपोलियन का फ्रांस लौटना, नील नदी का युद्ध डायरेक्टरी का अन्त, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 3 : नेपोलियन बोनापार्ट का उत्थान एवं उपलब्धियाँ

उद्देश्य, प्राक्कथन, नेपोलियन का उत्थान (कोन्तुलरशिप)1799–1804, आन्तरिक समस्याएं एवं सुधार, प्रशासनिक व्यवस्था, वित्तीय व्यवस्था, धार्मिक व्यवस्था, शिक्षा प्रणाली, नागरिक प्रशासन, विदेश नीति, नेपोलियन का सम्राट बनना 1804 परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 4 : नेपोलियन बोनापार्ट का पतन

उद्देश्य, प्राक्कथन, महाद्वीपीय व्यवस्था, स्पेन से प्रायद्वीपीय युद्ध इंग्लैण्ड का सहयोग, मसेना की पराजय, नेपोलियन की असफलता के कारण, रूस तथा नेपोलियन, प्रशा की जागृति, परीक्षापयोगी प्रश्न

खण्ड – 2

अध्याय 5 : वियना काँग्रेस, यूरोप की संयुक्त व्यवस्था

उद्देश्य, प्राक्कथन, वियना काँग्रेस की प्रमुख समस्याएँ, वियना काँग्रेस में भाग लेने वाले प्रमुख देश एवं उनके प्रतिनिधि वियना काँग्रेस के प्रमुख सिद्धात, वियना काँग्रेस के महत्वपूर्ण निर्णय, वियना समझौते की आलोचना, यूरोप में संयुक्त व्यवस्था, संयुक्त व्यवस्था की असफलता के कारण, सारांश, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 6 : अनुदारवाद मैटरनिख

उद्देश्य, प्राक्कथन, मेटरनिख का प्रारंभिक जीवन, मेटरनिख का राजनीतिक जीवन, मेटरनिख की निति, नेपोलियन व जार एलेक्जेण्डर के प्रति दृष्टिकोण, वियना काँग्रेस, मेटरनिख और जर्मनी, मेटरनिख व टर्की, पतन के कारण, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 7 : 1830 की क्रांन्ति–कारण एवं परिणाम

उद्देश्य, प्राक्कथन, 1830 की क्रान्तियों की प्रकृति, दसवाँ चार्ल्स, जुलाई–क्रान्ति, बेल्जियम लोगों के असन्तोष के कारण, क्रान्ति और दमन, अखिल जर्मन राष्ट्रीयता, इटली की क्रान्ति, पोलैण्ड की स्थिति, फेन्च क्रान्ति का इंग्लैण्ड पर प्रभाव, पार्लियामेण्ट के सुधार का आन्दोलन, परीक्षापयोगी प्रश्न

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

अध्याय 8 : 1848 की क्रान्ति—कारण एवं परिणाम

उद्देश्य, सन् 1848 क्रान्ति का वर्ष, 1848 की यूरोपीय क्रान्ति के कारण, आर्थिक परिवर्तन, मध्य यूरोप की स्थिति, उदारवाद की प्रगति, वियना में क्रान्ति और मेटरनिख का पालन, इटली में क्रान्ति, अखिल जर्मन संविधान सभा, क्रान्ति के परिणाम, परीक्षापयोगी प्रश्न

खण्ड — 3

अध्याय 9 : औद्योगिक क्रान्ति

उद्देश्य, प्राक्कथन, औद्योगिक क्रान्ति के कारण, औद्योगिक क्रान्ति का क्षेत्र, औद्योगिक क्रान्ति के परिणाम, आर्थिक परिणाम, सामाजिक परिणाम, राजनीतिक तथा वैचारिक प्रभाव, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 10 : इंग्लैण्ड में उदारवाद—1832 के सुधार

उद्देश्य, प्राक्कथन सुधार आन्दोलन के कारण, 1832 का सुधार अधिनियम, 1832 के सुधार अधिनियम की प्रमुख धाराएँ, सुधार अधिनियम का महत्व, 1832 के अधिनियम वेफ परिणाम, 1832 के सुधार अधिनियम की आलोचना परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 11 : 1867 के सुधार

उद्देश्य, सुधार अधिनियम 1867, इंग्लैण्ड में प्रजातन्त्र, विभिन्न देशों में संविधानिक शासन की स्थापना, संसद का प्रथम सुधार, डिजरैली तथा टोरी प्रजातन्त्र, शांन्ति एवं सन्तोष का काल, संसद का द्वितीय सुधार

अध्याय 12 : चार्टिस्ट आन्दोलन

उद्देश्य चार्टिस्ट आन्दोलन से आशय, चार्टिस्ट आन्दोलन के कारण, औद्योगिक पहलू, राजनीतिक पहलू, चार्टिस्ट आन्दोलन की प्रगति, आन्दोलन की असफलता के कारण, चार्टिस्ट आन्दोलन के परिणाम, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 13 : नेपोलियन तृतीय की उपलब्धियाँ

उद्देश्य, प्राक्कथन, लुई नेपोलियन का जीवन—वृत्त, अन्तरिम सरकार का प्रोग्राम, राष्ट्रीय सभा के कार्य, लुई नेपोलियन के राष्ट्रपति बनने के कारण, अलुई नेपोलियन के कार्य, नेपोलियन तृतीय की गृह नीति, नेपोलियन तृतीय की विदेश नीति, सेडन का युद्ध के परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 14 : पूर्वी समस्याः ग्रीस का स्वतन्त्रता आन्दोलन व क्रीमिया का युद्ध

उद्देश्य, बाल्कन प्रायद्वीप में तुर्क लो, रोगग्रस्त तुर्क साम्राज्य, आस्ट्रिया और रूस के हित,फ्रांस और इंग्लैंण्ड, पूर्वी समस्या, बाल्कन राष्ट्र, ग्रीस का स्वतन्त्रता युद्ध स्वतन्त्रता संग्राम का श्री गणेश, क्रीमिया का युद्ध, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 15 : यूनान का स्वतंत्राता संग्राम

उद्देश्य, यूनान का स्वतंत्रता संग्राम, पवित्र संघ की पृष्ठभूमि, चतुर्मुख मित्रमण्डल, प्रमुख उद्देश्य, एक्स—ला—शापेल, ट्रोपा काँग्रेस, लेवाख की काँग्रेस, स्पेन की समस्या, परीक्षापयोगी प्रश्न

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

S. R Rao

खण्ड – 4

अध्याय 16 : रूस–जार अलेक्जेण्डर द्वितीय

उद्देश्य, प्राक्कथन, असंतोष की आग, फरवरी की क्रान्ति एवं निरंकुश राजतंत्र का अंत, लेनिन द्वारा बोलशेविक क्रान्ति की तैयारी, अक्टूबर की क्रान्ति, बोलशेविक क्रान्ति और फांसीसी क्रान्ति, बोलशेविक प्रशासन, नई आर्थिक नीति, पंचवर्षीय योजनाएँ, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 17 : इटली का एकीकरण

उद्देश्य, प्राक्कथन, कार्वनरी का प्रारम्भ, राष्ट्रवादियों और देशभक्तों द्वारा स्वतन्त्रता संग्राम की तैयारियाँ, मेजिनी और पीडमांट का प्रादुर्भाव, गैरीबाल्डी का योगदान, इटली के एकीकरण के विभिन्न चरण, मार्क्किस–डी–कैवूर का इटली के एकीकरण में योगदान, कैवूर की विदेश नीति, सम्राट विक्टर इमैयुएल द्वितीय, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 18 : जर्मनी का एकीकरण

उद्देश्य, प्राक्कथन, जर्मनी के एकीकरण की पृष्ठभूमि, फ्रान्सीसी क्रान्ति के पहले जर्मनी की स्थिति, जर्मनी के एकीकरण में बाधाएँ, उदारवादी आन्दोलन का प्रारम्भ, श्लेजविग हाल्सटीन का प्रश्न फ्रैकफ्रंट संसद की सपफलता, एकीकरण की पुनः चेष्टा, सेडोवा के युद्ध के परिणाम, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 19 : मेईजी पुनःस्थापना 1868

उद्देश्य, प्राक्कथन, शोगून के शासन का विरोध, मेईजी पुनः स्थापना के कारण, जापान में पुनः स्थापना का महत्व, सामन्त प्रथा की समाप्ति, औद्योगिक उन्नति, कृषि व्यवस्था में सुधार, धार्मिक परिवर्तन, मेईजी संविधान, परीक्षोपयोगी प्रश्न

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

Syllabus

Of

Bachelor of Art - III

(History)

Faculty of Art

Pandit Sudarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh,Bilaspur
Koni Birkona Road, Bilaspur (C.G.)

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

बी. ए. अन्तिम वर्ष
भारत का इतिहास
(सन् 1761 ई. से 1950 ई. तक)
(प्रथम प्रश्न-पत्र)

खण्ड – 1

अध्याय – 1 ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण– युद्ध एवं कूटनीति– कर्नाटक युद्ध

प्राक्कथन, भारत में ब्रिटिश सत्ता के विस्तार की विभिन्न धारणाएँ अवध का परिचय, वारेन हेस्टिंग्स (सन् 1772–1785 ई.) की अवध के प्रति नीति, लॉर्ड जॉनशोर (सन् 1793–1798 ई.) की अवध नीति, लॉर्ड रिचर्ड वेलेजली (सन् 1798–1805 ई.) की अवध नीति, लॉर्ड हेस्टिंग्ज (सन् 1813–1823 ई.) की अवध नीति, लॉर्ड विलियम बैटिक (सन् 1828–1835 ई.) की अवध नीति, लॉर्ड सर हेनरी वाईकाउन्ट हार्डिग (सन् 1844 से 1848 ई) की अवध नीति, लॉर्ड अर्ल ऑफ डलहौजी (सन् 1848 से 1854 ई.) की अवध नीति, अभूभागीय सारांश, पंजाब में सिक्खों का उत्कर्ष, महाराजा रणजीत सिंह (सन् 1792–1839 ई.) के अधीन पंजाब, महाराजा रणजीत सिंह (सन् 1792–1839 ई.) और अंग्रेज, आंग्ल--फ्रांसीस संघर्ष आरम्भ होने से पूर्व कर्नाटक की स्थिति, प्रथम कर्नाटक युद्ध(1746–1748 ई.) द्वितीय कर्नाटक युद्ध (1749–1754 ई) तृतीय कर्नाटक युद्ध (1756–1763 ई.), अध्याय का संक्षिप्त सार, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय – 2 ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण – प्लासी एवं बक्सर

प्राक्कथन, वारेन हेस्टिंग्स (1772 से 1785 ई.) लार्ड कार्नवालिस (1786 से 1793 ई.), लार्ड वैलेजली (1798 से 1805 ई.), लार्ड मिन्टो (1807 से 1813 ई.), लार्ड हेस्टिंग्स (1813 से 1823 ई), लार्ड एम्हर्स्ट (1823 से 1828 ई.), विलियम बैन्टिक (1828 से 1835 ई.), आकलैंड (1836–1848 ई.), लार्ड डलहौजी (1848–1856 ई.), भारत में अंग्रेजों की सफलता के कारण, सिराजुद्दौला, प्लासी का युद्ध तथा बंगाल की प्रथम क्रान्ति, मीरजाफर तथा बंगाल की द्वितीय कान्ति (1757 से 1760 ई), मीरकासिम, बक्सर का युद्ध तथा बंगाल की तीसरी कान्ति (1760 से 1763 ई.), मीरजाफर का द्वितीय कार्य काल और अंग्रेजी अधिपत्य (1763 से 1772 ई.), परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय – 3 सहायक संधि एवं हड़प नीति (व्यपगत का सिद्धान्त)

सहायक संधि, वैलेजली का भारत में फ्रांसीसी प्रभाव को नष्ट करना, वैलेजली का मूल्यांकन, व्यपगत के सिद्धान्त (गोद की प्रथा) द्वारा विलय या हड़प नीति, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय – 4 ब्रिटिश प्रशासन एवं सुधार– बेंटिक, लिटन, रिपन, कर्जन

प्राक्कथन, विलियम बैंटिक (1828–1835 ई.), लार्ड लिटन (1876–1880 ई.), लार्ड रिपन (1880–1884 ई.), लार्ड कर्जन (1899–1905 ई.), परीक्षापयोगी प्रश्न

खण्ड – 2

अध्याय – 5 वाणिज्यवाद – उद्योगों एवं व्यापार का पतन

प्राक्कथन, संविधान की विशेषताएँ, वाणिज्यवाद की उत्पत्ति तथा परिभाषा, वाणिज्यवाद के उदय के कारण, वाणिज्यवाद के परिणाम एवं मूल्यांकन, औद्योगिक कान्ति, औद्योगिक क्रान्ति के कारण, औद्योगिक क्रान्ति का क्षेत्र, औद्योगिक क्रान्ति के परिणाम, सामाजिक परिणाम, परीक्षापयोगी प्रश्न

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

अध्याय – 6 कृषि का हास एवं आंदोलन

प्राक्कथन, कृषि और अकाल, दक्षिण भारत तथा महाराष्ट्र में विद्रोह, आदिवासी विद्रोह, नागरिक और कृषक विद्रोह, दक्षिण के दगें और मोपला–विद्रोह, किसान–आन्दोलन, किसानों के संगठन, मजदूर–आन्दोलन, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय – 7 स्थाई, रैयतवाड़ी तथा महलवाड़ी भू–राजस्व व्यवस्था की प्रमुख विशेषताएँ और उनका प्रभाव

प्राक्कथन, स्थाई बन्दोबस्त से पूर्व की स्थिति, स्थाई बन्दोबस्त के उद्‌देश्य व कारण, स्थाई बन्दोबस्त की प्रमुख व्यवस्थाएँ, स्थाई बन्दोबस्त की विशेषताएँ, स्थाई बन्दोबस्त के गुण व दोष, निष्कर्ष, रैयतवाड़ी व्यवस्था, रैयतवाड़ी व्यवस्था लागू करने के कारण, रैयतवाड़ी बन्दोबस्त की विशेषताएँ, प्रांतों में रैयतवाड़ी बन्दोबस्त, रैयतवाड़ी बन्दोबस्त के गुण व दोष, रैयतवाड़ी व्यवस्था का कृषकों पर प्रभाव, रैयतवाड़ी बन्दोबस्त, महलवाड़ी बन्दोबस्त लागू करने के कारण, महलवाड़ी बन्दोवस्त के गुण व दोष, महलवाड़ी व्यवस्था का कृषकों पर प्रभाव, अंग्रेजों द्वारा प्रचलित भू–राजस्व व्यवस्था के परिणाम, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय – 8 भारतीय पुनर्जागरण

प्राक्कथन, कारण, भारतीय पुनर्जागरण का स्वरूप, समाज–सुधार आन्दोलन के दो पहलू, धार्मिक और समाज–सुधार आन्दोलन, जवान बंगाल आन्दोलन, ईश्वरचन्द्र विद्यासागर (1820–1891 ई), रैयतवाड़ी व्यवस्था, वुफण्डूकुरी वीरेसलिंगम (1848–1919 ई), आर्य समाज, रामकृष्ण–मिशन, थियोसोफिकल समाज, महाराष्ट्र में सामाजिक एवं धार्मिक सुधार, अन्य धर्म सुधार, मुस्लिम सुधार आन्दोलन, भारतीय पुनरूद्धार –आन्दोलन की प्रकृति और परिणाम, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय – 9 पाश्चात्य शिक्षा का विकास

प्राक्कथन, प्राचीन काल में शिक्षा, प्राचीन काल में शिक्षा की व्यवस्था एवं बौद्ध शिक्षा, प्रारम्भिक शिक्षा तथा प्राचीन काल में गुरुकुल शिक्षा व्यवस्था, गुरुकुल शिक्षा के मुख्य बिन्दु, मध्यकाल में शिक्षा की व्यवस्था और प्रारम्भिक शिक्षा–मकतब, मध्यकालीन शिक्षा का समालोचनात्मक मूल्यांकन, मध्यकालीन शिक्षा के गुण व दोष, अंग्रेजी काल में शिक्षा एवं अनिश्चतता का युग, प्राच्य–पाश्चात्य युग, लार्ड मैकाले विवरण पत्र (1835 ई.), मैकाले की देन, वुड़ का घोषणा पत्र एवं सिफारिशें (1854 ई.), घोषणा–पत्र का मूल्यांकन, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय – 10 भारत में समाचार पत्रों का विकास

प्राक्कथन, समाचार पत्र पत्रेक्षण अधिनियम 1799 ई., 19वीं सदी के समाचार–पत्र, अनुज्ञप्ति (लाइसेंसद्ध नियम 1823 ई., भारतीय समाचार–पत्रों की स्वतंत्रता सम्बन्धी अधिनियम, 1835 ई, अनुज्ञप्ति अधिनियम 1857 ई., पंजीकरण अधिनियम, 1867 ई., देशी भाषा समाचार–पत्र अधिनियम, 1878 ई., समाचार–पत्र अधिनियम 1908 ई., भारतीय समाचार–पत्र अधिनियम, 1910 ई.भारतीय समाचार–पत्र (संकट कालीन शक्तियाँ) अधिनियम 1931 ई., समाचार–पत्र जाँच समिति 1947 ई., समाचार–पत्र (आपत्तिजनक विषय) अधिनियम 1951 ई., परीक्षापयोगी प्रश्न

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

खण्ड — 3

अध्याय – 11 राष्ट्रवाद का उदय

राष्ट्रीय चेतना का प्रारम्भ, राष्ट्रवाद के विकास के प्रमुख कारण, भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के पूर्ववर्ती राष्ट्रीय संगठन, भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस की स्थापना एवं प्रयोजन, भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस के प्रारम्भिक अधिवेशन, भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस के प्रारम्भिक नेताओं के विचार एवं आदर्श, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय – 12 1857 ई. की क्रांन्ति

विद्रोह के कारण, विद्रोह का विस्तार एवं आरम्भ, विद्रोह का दमन, विद्रोह की असफलता के कारण, विद्रोह की प्रकृति, विद्रोह के परिणाम, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय – 13 भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस –उदारवादी, उग्रवादी

काँग्रेस के पूर्ववर्ती राष्ट्रीय संगठन, भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस की स्थापना एवं प्रयोज्य, भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के प्रारम्भ अधिवेशन, कॉंग्रेस के प्रांरम्भिक नेताओं के विचार एवं आदर्श, अध्याय का संक्षिप्त–सार, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय – 14गांधीवादी आन्दोलन

प्राक्कथन, महात्मा गांधी का आगमन, असहयोग आन्दोलनः स्वतंत्रता संग्राम की पहली बड़ी लहर (1991–1992 ई.), अनुभागी सांराश, खिलाफत आन्दोलन, अध्याय का संक्षिप्त सार

खण्ड – 4

अध्याय – 15 साम्प्रदायिकताः उदय एवं विकास

साम्प्रदायिकता का उदय, मुस्लिम लीग की स्थापना, कांग्रेस लीग समझौता, जिन्ना की चौदह सूत्रीय योजना और साम्प्रदायिकता, पाकिस्तान की माँग, भारत विभाजन के कारण, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय – 16 सुभाष चन्द्र बोस एवं हिन्द सेना

प्राक्कथन, आन्दोलन से पहले का राजनीति परिदृश्य, करो या मरो का नारा, आन्दोलन का स्वरूप, राष्ट्रव्यापी जन आन्दोलन, आन्दोलन का हिंसक स्वरूप व सरकारी दमन चक्र, भूमिगत संगठन, समान्तर सरकारें, क्या भारत छोड़ो आन्दोलन स्वतः स्फूर्त आन्दोलन था?, भारत छोडो आन्दोलन तथा भारत का स्वाधीनता, आजाद हिन्दफौज, अध्याय का संक्षिप्त सार, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय – 17 भारत का सवैधानिक विकासः 1919 ई., द्वैध शासन,1935 प्रान्तीय स्वायत्तता

उद्देश्य, रेगूलेटिंग एक्ट, 1773 ई., संशोधन अधिनियम, 1781 ई., पिट्स इण्डिया एक्ट, 1784 ई, 1786 ई. का सुधार अधिनियम, 1793 ई. का आदेश–पत्र, 1813 ई. का आदेश–पत्र, 1833 ई. का आदेश–पत्र, 1853 ई. का आदेश–पत्रा, भारत शासन अधिनियम 1858 ई., रानी विक्टोरिया की घोषणा (नवम्बर 1858 ई.), 1861 ई. का भारतीय कौंसिल कानून, 1892 ई. का भारतीय परिषद् अधिनियम, भारतीय कौंसिल एक्ट, 1909 ई., भारत–सरकार अधिनियम 1919 ई., 1935 ई. का भारत–सरकार अधिनियम, 1947 ई. का भारतीय स्वतत्रांता कानून, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय – 18 भारत की स्वतंत्रता एवं भारतीय संविधन की विशेषताएँ

प्राक्कथन, संविधन की विशेषताएँ, भारतीय संविधन की आलोचना, संविधान संशोधन प्रणाली एवं, संविधान के प्रमुख संशोधन, अध्याय का संक्षिप्त सार, परीक्षापयोगी प्रश्न

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

विश्व इतिहास

(सन् 1871 ई. से 1945 ई. तक)

(द्वितीय प्रश्न-पत्र)

खण्ड – 1

अध्याय 1 : फ्रांस तृतीय गणतन्त्र

अध्ययन के उद्देश्य, प्रस्तावना फ्रेंकफर्ट संन्धि, दियर (जीपमते)--कार्यपालिका का अध्यक्ष, राष्ट्रीय पुनर्निर्माण, दियर गणतन्त्र का राष्ट्रपति, नया संविधान–विधानमण्डल, नया संविधान समझौते के रूप में, तृतीय गणतन्त्र की कठिनाइयाँ, ड्रफस का मामला

अध्याय 2 : बिस्मार्क गृह एवं विदेश–नीति

अध्ययन के उद्देश्य, प्रस्तावना बिस्मार्क की गृहनीति, समाजवादियों के प्रति बिस्मार्क की नीति, बिस्मार्क की विदेश–नीति, रूस के साथ पुनराश्वासन संधि, विलियम द्वितीय का राज्यारोहण तथा बिस्मार्क का पतन, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 3 : विलियम द्वितीय की विदेश–नीति

अध्ययन के उद्देश्य, प्रस्तावना, विलियम द्वितीय की गृह--नीति, विलियम द्वितीय की विदेश--नीति, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 4 : अफ्रीका का विभाजन

अध्ययन के उद्देश्य, प्रस्तावना, यूरोपीय साम्राज्यवाद, साम्राज्यवाद के परिणाम अफ्रीका का विभाजन, परीक्षापयोगी प्रश्न

खण्ड – 2

अध्याय 5 : जापान का आधुनिकीकरण

अध्ययन के उद्देश्य, प्रस्तावना शोगून शासन का विरोध, मेईजी पुनःस्थापना के कारण, अन्य सामन्तों द्वारा शोगून का विरोध, चोशू सामन्तों व शोगून सामन्तों में संघर्ष, मेईजी शासन की पुनःस्थापना, जापान में पुनःस्थापना का महत्व, सामन्त प्रथा की समाप्ति, सैन्य व्यवस्था में सुधार, जापान का आधुनिकीकरण , परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 6 : चीन की कांन्ति : कारण एवं परिणाम

अध्ययन के उद्देश्य, प्रस्तावना जापान का रियाकू (लियू--चियू) द्वीप समूह पर आधिपत्य, कोरिया की समस्या, चीन जापान युद्ध (1884.95 ई.)1894--95 ई. का युद्ध, चीन में विदेशी शक्तियों की पुनः सकियत, पोर्ट्समाउथ की सन्धि की शर्तें, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 7 : पूर्वी समस्या--बर्लिन कांग्रेस, युवा तुर्क आन्दोलन (बाल्कन युद्ध)

अध्ययन के उद्देश्य, प्रस्तावना बर्लिन सम्मेलन तथा 1878 की बर्लिन की सन्धि , बाल्कन युद्ध के कारण एवं परिणाम, द्वितीय बाल्कन युद्ध ,परीक्षापयोगी प्रश्न

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

S. R Rao

अध्याय 8 : प्रथम विश्व युद्ध कारण एवं परिणाम

अध्ययन के उद्देश्य, प्रस्तावना प्रथम विश्वयुद्ध के कारण, गुप्त एवं कुटनीतिक संधियाँ, उग्र सैन्यवाद एवं शस्त्रीकरण, पूर्वी समस्या और जर्मनी, आर्थिक प्रतिद्वन्द्वता तथा सम्राज्यवाद, अल्सास–लारेन की समस्या, कैसर विलियम द्वितीय का चरित्र, अन्तर्राष्ट्रीय संस्था का अभाव,युद्ध का तात्कालिक कारण, हत्या की प्रक्रिया, विश्वयुद्ध की प्रमुख घटनाएँ, रूस में बोल्शेविक क्रान्ति (1917), प्रथम विश्व युद्ध के परिणाम, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 9 : रूस की कांन्ति 1917

अध्ययन के उद्देश्य, प्रस्तावना कांन्ति के कारण, अस्थायी सरकार के कार्य, लेनिन एवं बोल्शेविक दल, रूस का पुनः निर्माण, स्टालिन तथा उसकी उपलब्धियाँ, सोवियत रूस का नया संविधान, स्टालिन की विदेश–नीति ,परीक्षापयोगी प्रश्न

खण्ड – 3

अध्याय 10 : वर्साय की सन्धि

अध्ययन के उद्देश्य, प्रस्तावना पेरिस शान्ति सम्मेलन, वर्साय की सन्धि, सेन्ट जर्मन की सन्धि, वर्साय की सन्धि का आलोचनात्मक मूल्यांकन, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 11 : फासीवाद मुसोलिनी

अध्ययन के उद्देश्य, प्रस्तावना इटली में फासिज्म के उदय के कारण, इटली में जनता का असन्तोष, मुसोलिनी का संक्षिप्त–परिचय, फासिस्ट दल का गठन, मुसोलिनी सफलता की राह पर , मुसोलिनी इटली का प्रधानमंत्री, मुसोलिनी इटली का फासिस्ट तानाशाह , परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 12 : नाजीवाद हिटलर

अध्ययन के उद्देश्य, प्रस्तावना, एडोल्फ हिटलर का परिचय, गणतन्त्र के विरोध में असफल विद्रोह, हिटलर का कार्यक्रम, हिटलर तथा नाजीदल के उदय के कारण, हिटलर की गृहनीति, परीक्षापयोगी प्रश्न

खण्ड – 4

अध्याय 13 : राष्ट्र–संघ स्थापना एवं उद्देश्य

अध्ययन के उद्देश्य, प्राक्कथन राष्ट्र–संघ का संविधान, राष्ट्र–संघ की स्थापना व उद्देश्य, राष्ट्र–संघ का संगठन, राष्ट्र–संघ के अंग, राष्ट्र–संघ की उपलब्धियाँ, सामाजिक एवं जन उपयोगी उपलब्धियाँ, राष्ट्र–संघ की असफलताएँ , परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 14 : द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण एवं परिणाम

अध्ययन के उद्देश्य, प्राक्कथन द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण, सम्राज्यवादी शिविर का अन्तर्विरोध, इंग्लैण्ड में शासन परिवर्तन–चर्चिल प्रधानमन्त्री, पश्चिमी एशिया में अंग्रेजों का अभियान, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 15 : संयुक्त राष्ट्र–संघ स्थापना एवं संगठन

अध्ययन के उद्देश्य, प्राक्कथन संयुक्त राष्ट्र–संघ के उद्देश्य, संगठन, सदस्यता, कार्य एवं गति विधियाँ, आर्थिक व्यवस्था, परीक्षापयोगी प्रश्न

VERIFIED

S. R Rao

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

अध्याय 16 : संयुक्त राष्ट्र–संघ–उपलब्धियाँ

अध्ययन के उद्देश्य, प्राक्कथन अटलाण्टिक चार्टर, संयुक्त राष्ट्र–संघ, संयुक्त राष्ट्र–संघ का प्रयोजन और उद्देश्य, संयुक्त राष्ट्र–संघ का संगठन, संयुक्त राष्ट्र संघ की उपलब्धियाँ , संयुक्त राष्ट्र–संघ की अन्य उपलब्धियाँ, निष्कर्ष, परीक्षापयोगी प्रश्न

VERIFIED

REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur